



Mr.Sambhav jain



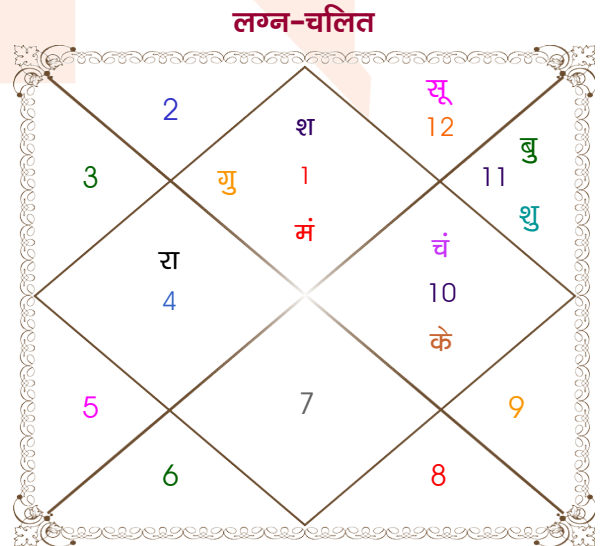
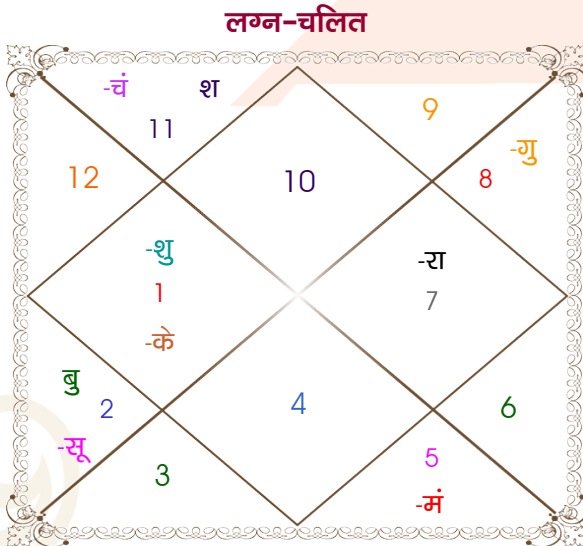
Ms.Apoorava

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119628402

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 21-22/05/1995 : _____ जन्म तिथि _____ 30/03/2000
 रवि-सोमवार : _____ दिन _____ गुरुवार
 घंटे 00:20:00 : _____ जन्म समय _____ 08:00:00 घंटे
 घटी 47:16:07 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 04:39:33 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Bhind : _____ स्थान _____ Gwalior
 26:33:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 26:12:00 उत्तर
 78:47:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 78:09:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:14:52 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:17:24 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 05:25:33 : _____ सूर्योदय _____ 06:10:50
 18:58:09 : _____ सूर्यास्त _____ 18:33:14
 23:47:42 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:51:22

विंशोत्तरी राहु 13वर्ष 2मा 29दि शनि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 0वर्ष 7मा 15दि राहु
20/08/2024	26:28:50	मक	लग्न	मेष	20:10:50	14/11/2017
20/08/2043	06:27:21	वृष	सूर्य	मीन	15:50:20	14/11/2035
शनि	10:11:11	कुंभ	चंद्र	मक	08:36:32	राहु
23/08/2027	04:28:47	सिंह	मंगल	मेष	11:18:11	27/07/2020
बुध	24:18:07	वृष	बुध	कुंभ	18:05:32	गुरु
02/05/2030	18:03:48	वृश्चि व	गुरु	मेष	14:53:35	21/12/2022
केतु	12:02:17	मेष	शुक्र	कुंभ	26:40:22	शनि
11/06/2031	29:16:58	कुंभ	शनि	मेष	21:25:43	26/10/2025
शुक्र	11:34:38	तुला	राहु व	कर्क	07:24:14	बुध
11/08/2034	11:34:38	मेष	केतु व	मक	07:24:14	15/05/2028
सूर्य	06:34:07	मक व	हर्ष	मक	25:43:25	केतु
24/07/2035	01:36:18	मक व	नेप	मक	12:17:50	02/06/2029
चन्द्र	05:24:12	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	18:59:10	शुक्र
21/02/2037						02/06/2032
मंगल						सूर्य
02/04/2038						27/04/2033
राहु						चन्द्र
06/02/2041						27/10/2034
गुरु						मंगल
20/08/2043						14/11/2035



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.Sambhav jain का वर्ग मेष है तथा डेण चववतंअं का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Sambhav jain और डेण चववतंअं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Sambhav jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम भाव में स्थित है।

डेण चववतंअं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते ।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते ।।**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण चववतंअं कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डेण चववतंअं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr.Sambhav jain तथा डेण चववतंअं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

